navabharat.com twitter.com/Nava_Bharat fb.me/NavaBharat.Social

नव भारत

1934 से

शिप्रा के रामघाट पर शाम 7 बजे महाआरती के साथ भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पहला आशीर्वाद का दीप प्रज्वलित कर महा-दीपोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया.

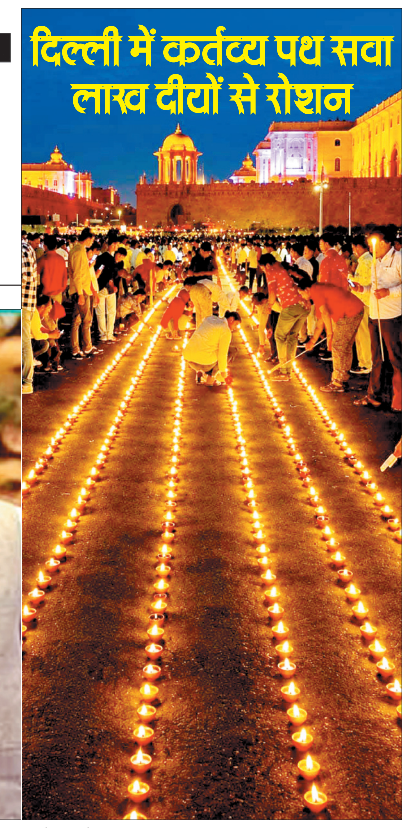

प्रधानमंत्री के 76वें जन्मदिन के पर दिल्ली में कर्तव्य पथ पर सवा लाख मिट्टी के दीये जलाए गए .

महाकाल के आंगन में रचा इतिहास

पीएम मोदी के जन्मदिन पर सेवा का संकल्प-आशीर्वाद के दीये जगमगाए

नवभारत न्यूज़

उज्जैन, 17 सितंबर. धार्मिक नगरी उज्जैन में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर एक नया स्वर्णिम अध्याय लिखा गया.

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा शुरू किए गए सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित आशीर्वाद का दीया कार्यक्रम में शिप्रा नदी के पावन तटों और श्री महाकाल महालोक परिसर में 33 लाख मिट्टी के दीये एक साथ प्रज्वलित किए. इस अद्भुत और अलौकिक दृश्य को देखने के लिए देश-विदेश से हजारों श्रद्धालु अवंतिका नगरी पहुंचे. मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मंशा अनुसार यह कार्यक्रम किया गया. जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नबीन भी पहुंचे. घाटों पर दीप जलाने के लिए लगभग 25,000 से अधिक स्वयंसेवक तैनात किए गए थे. पूरे घाट क्षेत्र को 7 प्रमुख सेक्टर्स और 250 सब-सेक्टर्स में विभाजित किया गया था. नतीजतन, पूरा शिप्रा तट महज 3 मिनट के भीतर 33 लाख दीयों की सुनहरी रोशनी से नहा उठा.

रामघाट के साथ-साथ दत्त अखाड़ा घाट, केदारेश्वर घाट, सुनहरी घाट और भव्य श्री महाकाल महालोक परिसर भी दीपों की श्रृंखला से जगमगा उठा.

भाजपा अध्यक्ष नितिन नबीन और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की मौजूदगी में बना दीपोत्सव का रिकॉर्ड

दीपोत्सव लोक कल्याण की प्रार्थना का प्रतीक : सीएम

इस अवसर पर संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सनातन संस्कृति में दीप जलाना अंधकार पर प्रकाश की विजय और लोक-कल्याण की प्रार्थना का प्रतीक है. उन्होंने कहा कि यह दीपोत्सव प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्पित सार्वजनिक सेवा जीवन के प्रति मध्य प्रदेश की जनता की ओर से आभार प्रकट करने का एक माध्यम है. यह आशीर्वाद का दीया देश की समृद्धि और पीएम मोदी की दीर्घायु की कामना के लिए जलाया गया है.

गीत, संगीत, भजन और आसमान में सतरंगी आतिशबाजी

दीपों के प्रज्वलित होते ही शिप्रा तट का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया. प्रसिद्ध भजन गायकों और सांस्कृतिक दलों द्वारा शिव भजनों और देशभक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुतियां दी गईं. दीपों की जमीनी रोशनी के बीच आसमान में की गई भव्य आतिशबाजी ने इस नजारे को और भी चमत्कारी बना दिया. घाटों पर मौजूद हजारों लोगों ने जय श्री महाकाल और हर हर महादेव के गगनभेदी जयघोष किए.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया सेमीकॉन इंडिया 2026 का भव्य शुभारंभ

वैश्विक चिप सप्लाई चेन का मजबूत स्तंभ बन रहा भारत : पीएम मोदी

नवभारत न्यूज

नई दिल्ली, 17 सितंबर. सेमीकॉन इंडिया के पांचवें संस्करण का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घोषणा की कि देश अब केवल चिप डिजाइनिंग और कागजी नीतियों तक सीमित नहीं है, बल्कि वह व्यावसायिक उत्पादन के एक बड़े युग में कदम रख चुका है.

दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि यानी आईसीसी में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम में देश-विदेश के दिग्गज सीईओ, वैश्विक नीति-निर्माताओं और युवा तकनीकी विशेषज्ञों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारत की सदियों पुरानी निर्माण परंपरा और 21वीं सदी का आधुनिक विज़न ही आत्मनिर्भर भारत की सबसे बड़ी प्रेरणा है. इस हाई-टेक सेक्टर को अभूतपूर्व रफ्तार देने के लिए प्रधानमंत्री ने सेमीकंडक्टर मिशन के दूसरे चरण का एलान करते हुए बताया कि पहले चरण के 8 बिलियन डॉलर्स के मुकाबले सरकार ने इस दूसरे फेज के वित्तीय दायरे को बढ़ाकर 13.5 बिलियन डॉलर तय कर दिया है.

इसके साथ ही नीतिगत सुधारों को तेज करते हुए अब अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को भारतीय स्टार्टअप्स और घरेलू डिजाइन कंपनियों के साथ सीधे सहयोग करने की अनुमति दे दी गई है.प्रधानमंत्री ने वैश्विक मंच पर भारत की मजबूत होती साख और आर्थिक प्रगति का विशेष जिक्र किया. उन्होंने कहा कि मौजूदा चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल में भी भारत ने 7.8 फीसदी की मजबूत तिमाही जीडीपी ग्रोथ हासिल की है.

छः देशों के विशेष पवेलियन

यशोभूमि में आयोजित इस प्रदर्शनी में दुनिया के 6 प्रमुख तकनीकी देशों जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, नीदरलैंड, सिंगापुर और स्वीडन ने अपने विशेष कंट्री पवेलियन स्थापित किए हैं, जो भारत के साथ वैश्विक तकनीकी साझेदारी और जॉइंट वेंचर्स को बढ़ावा देंगे.

दिग्गजों का जमावड़ा

यशोभूमि के भव्य ब्रह्मकमल हाल में इंटेल, एनवीडिया, एएमडी और एनएक्सपी जैसी दुनिया की शीर्ष कंपनियों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और 52 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति ने भारत की बढ़ती धाक को दर्शाया.